अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय त्रि-सेवा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास, टाइगर ट्रायम्फ 2024 का समापन समारोह 30 मार्च 2024 को सम्पन्न हुआ।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इस अभ्यास का आयोजन विशाखापत्तनम में 18 से 30 मार्च तक किया गया है। इसका आयोजन अमेरिकी नौसेना के सैन एंटोनियो श्रेणी की परिवहन गोदी-समरसेट पर आयोजित किया गया।

- इस अभ्यास के दौरान विचार-विमर्श, विषय-वस्तु विशेषज्ञों के बीच विचारों का आदान-प्रदान, खेल कार्यक्रम, जहाज बोर्डिंग अभ्यास और क्रॉस डेक दौरे शामिल थे।
- यह अभ्यास दोनों देशों के बीच सुदृढ़ रणनीतिक साझेदारी का प्रतीक है। इसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) संचालन शुरू करने में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और मानक संचालन प्रक्रियाओं को साझा करना है।
- काकीनाडा में एक संयुक्त कमान एवं नियंत्रण केंद्र और एचएडीआर संचालन के लिए संयुक्त राहत और चिकित्सा शिविर की स्थापना की गई।
- काकीनाडा और विशाखापत्तनम के पास भारतीय नौसेना और अमेरिकी नौसेना के जहाजों के बीच यूएच3एच, सीएच53 और एमएच60आर हेलीकॉप्टरों से जुड़े क्रॉस डेक हेलीकॉप्टर संचालन भी किए गए।
- भारतीय नौसेना की भाग लेने वाली इकाइयों में एक लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक, लैंडिंग शिप टैंक जिसमें उनके अभिन्न लैंडिंग क्राफ्ट और हेलीकॉप्टर शामिल थे। गाइडेड मिसाइल युद्ध-पोत और लंबी दूरी तक मार करने वाले समुद्री टोही विमानों की विभिन्न इकाइयों ने इस अभ्यास में हिस्सा लिया।
- भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व मशीनीकृत बलों सहित एक इन्फैंट्री बटालियन समूह द्वारा किया गया। भारतीय वायु सेना ने एक मध्यम लिफ्ट विमान, परिवहन हेलीकॉप्टर और त्वरित कार्रवाई चिकित्सा दल भी तैनात किया था।
- अमेरिका की टास्क फोर्स में एक यूएस नेवी लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक शामिल था जिसमें इसके इंटीग्रल लैंडिंग क्राफ्ट एयर कुशन और हेलीकॉप्टर, एक विध्वंसक, समुद्री टोही और मध्यम लिफ्ट विमान और यूएस मरीन भी शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 का समापन

सुर्ख़ियों में क्यों?

- खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने 29 मार्च 2024 को FAO मुख्यालय, रोम, इटली में अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (आईवाईएम) 2023 का समापन समारोह आयोजित किया।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- उच्च-स्तरीय हाइब्रिड कार्यक्रम में प्रतिभागियों को व्यक्तिगत तौर पर और वर्चुअली दोनों तरह से शामिल होने की अनुमति दी गई और इसमें भारत

सरकार की ओर से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अपर सचिव श्रीमती मनिंदर कौर द्विवेदी सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से सम्मानित गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

- गौरतलब है कि भारत के एक प्रस्ताव के बाद, जिसका 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मार्च 2021 में अपने 75वें सत्र में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया था।
- अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित करने का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा और पोषण में पोषक अनाज / बाजरा / मोटे अनाज के योगदान के बारे में जागरूकता का प्रसार करना, पोषक अनाज के टिकाऊ उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के लिये हितधारकों को प्रेरित करना तथा इन दोनों उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये अनुसंधान और विकास एवं विस्तार सेवाओं में निवेश बढ़ाने पर ध्यान देना है।

पोषक अनाज/मोटे अनाज के बारे में

- पोषक अनाज एक सामूहिक शब्द है जो कई छोटे-बीज वाले फसलों को संदर्भित करता है, जिसमें बाजरा रागी (फिंगर मिलेट), ज्वार (सोरघम), समा (छोटा बाजरा), बाजरा (मोती बाजरा) और वरिगा (प्रोसो मिलेट) शामिल हैं।
- वैश्विक स्तर पर लगभग 131 देशों में इसकी खेती की जाती है, यह एशिया और अफ्रीका में लगभग 60 करोड़ लोगों के लिये पारंपरिक भोजन है।
- भारत, नाइजीरिया और चीन विश्व में बाजरा के सबसे बड़े उत्पादक हैं, जिनका वैश्विक उत्पादन में 55% से अधिक की हिस्सेदारी है।
- ध्यान रहे, भारत दुनिया में बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक है जो वैश्विक उत्पादन का 20% और एशिया के उत्पादन का 80% हिस्सा है।
- बाजरा अपने उच्च प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और लौह तत्त्व जैसे खनिजों के कारण गेहूँ एवं चावल की तुलना में कम खर्चीला तथा पौष्टिक रूप से बेहतर है।
- बाजरा कैल्शियम और मैग्नीशियम से भी भरपूर होता है। इसलिए बाजरा पोषण सुरक्षा प्रदान करता है और विशेष रूप से बच्चों एवं महिलाओं के बीच पोषण की कमी के खिलाफ ढाल के रूप में कार्य करता है। इसमें उपस्थित उच्च लौह तत्त्व भारत में महिलाओं की प्रजनन अवस्था के दौरान तथा शिशुओं में एनीमिया के उच्च प्रसार को रोकने में सक्षम हैं।

cVIGIL ऐप

सुर्ख़ियों में क्यों?

- आम चुनाव 2024 की घोषणा के बाद से आज तक 79,000 से अधिक शिकायतें भारत निर्वाचन आयोग का cVIGIL ऐप द्वारा प्राप्त हुई हैं।
- इसके माध्यम से 99% से अधिक शिकायतों का समाधान कर दिया गया है और इनमें से लगभग 89% शिकायतों का समाधान 100 मिनट के भीतर किया गया है। गति और पारदर्शिता सीविजिल ऐप की आधारशिला हैं।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- सीविजिल भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा विकसित एक मोबाइल एप्लिकेशन है जो नागरिकों को चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाता है।
- सी-विजिल स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रलोभन मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीक का लाभ उठाने के ईसीआई के कदमों का हिस्सा है।
- भारत के चुनाव आयोग का cVIGIL ऐप लोगों के हाथों में चुनाव संहिता के उल्लंघन को चिह्नित करने के लिए एक प्रभावी उपकरण बन गया है। इसकी सादगी, उपयोग में आसानी, प्रामाणिकता और उपयोगकर्ता गोपनीयता के लिए प्रशंसा की गई है।
- cVigil उपयोगकर्ता के अनुकूल और संचालित करने में आसान एप्लिकेशन है, जो सतर्क नागरिकों को जिला नियंत्रण कक्ष, रिटर्निंग अधिकारी और फ्लाइंग स्क्वाड टीमों से जोड़ता है।
- इस ऐप का उपयोग करके, नागरिक राजनीतिक कदाचार की घटनाओं पर तुरंत मिनटों के भीतर रिपोर्ट कर सकते हैं और उन्हें रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं है। जैसे ही शिकायत सीविजिल ऐप पर भेजी जाएगी, शिकायतकर्ता को एक यूनिक आईडी प्राप्त होगी जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने मोबाइल पर शिकायत को ट्रैक कर सकेगा।
- जैसे ही उपयोगकर्ता उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए cVIGIL में अपना कैमरा चालू करता है, ऐप स्वचालित रूप से एक जियो-टैगिंग सुविधा सक्षम कर

देता है। इसका मतलब यह है कि उड़न दस्ते रिपोर्ट किए गए उल्लंघन का सटीक स्थान जान सकते हैं, और नागरिकों द्वारा खींची गई छवि को कानून की अदालत में सबूत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

- यह ऐप प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सुविधा के लिए आयोग द्वारा बनाए गए ऐप्स में से एक है।

राष्ट्रीय समुद्री सप्ताह की शुरुआत

सुर्ख़ियों में क्यों?

- पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के सचिव श्री टी.के. रामचंद्रन ने 29 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 'मर्चेंट नेवी फ्लैग' लगाकर राष्ट्रीय समुद्री दिवस के लिए सप्ताह भर के समारोहों की शुरुआत की।

संबंधित प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि 29 मार्च से 5 अप्रैल तक चलने वाला राष्ट्रीय समुद्री सप्ताह का महत्व नाविकों की सेवाओं का सम्मान करने और भारत के समुद्री इतिहास की इस गौरवपूर्ण घटना का जश्न मनाने में निहित है।
- यह मैसर्स सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी लिमिटेड, मुंबई के स्वामित्व वाले पहले भारतीय स्टीमशिप 'एस. एस. लॉयल्टी' के वर्ष 1919 में इस दिन मुंबई से लंदन (यूके) तक की अपनी पहली यात्रा के लिए अंतर्राष्ट्रीय जल में प्रवेश करने को चिन्हित करता है। अब इस दिन को "राष्ट्रीय समुद्री दिवस" के रूप में मनाया जाता है।
- ध्यान रहे, राष्ट्रीय समुद्री दिवस हर साल 5 अप्रैल को मनाया जाता है। राष्ट्रीय समुद्री दिवस पहली बार 5 अप्रैल, 1964 को मनाया गया था।
- राष्ट्रीय समुद्री दिवस समारोह मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, कांडला, विशाखापत्तनम जैसे प्रमुख बंदरगाहों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मध्यवर्ती, छोटे और अंतर्देशीय जल पत्तनों सहित देश भर में मनाया जाएगा।
- ये समारोह आजादी के बाद से भारतीय समुद्री उद्योग द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डालते हैं और हमारे राष्ट्रीय जीडीपी में इसके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हैं।
- विदित है कि पिछले 9 वर्षों में नाविकों की संख्या में 140 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में, सक्रिय भारतीय नाविकों की कुल संख्या 117,090 थी, जो 2023 में 280,000 हो गई।
- मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 के तहत, भारत समुद्री क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण में विश्व स्तरीय मानक स्थापित करके एक प्रमुख समुद्री नाविक देश के रूप में उभरने की आकांक्षा रखता है।
- भारत ने एसटीसीडब्ल्यू कन्वेंशन और समुद्री श्रम कन्वेंशन (एमएलसी) दोनों पर हस्ताक्षर किए हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्री नौकरियों में 12 प्रतिशत पर भारतीय नाविकों का कब्जा है, और मैरीटाइम विजन 2030 इस आंकड़े को 2030 तक 20 प्रतिशत तक पहुंचाने की अनुशंसा करता है।

प्रयास IAS ACADEMY
An Institute for UPSC & BPSC
prayasiasacademy
prayasiasacademy
prayasiasacademy.com

By
MUKESH SAHAY
Most Trusted Name For History Optional In India With 27 Years Of Experience

HISTORY OPTIONAL
FOUNDATION COURSE
• English Medium • Hindi Medium
ADMISSION OPEN
upto 50% OFF*
More info Call us:
8818810183 | 8818810184